# कक्षा-गतिविधि

## जिम्मेदारियों की साझेदारी

विषय- वस्तु

कक्षा-गतिविधि ..... 1
परिचय ..... 1
अपेक्षित परिणाम ..... 4
आवश्यक सामग्री ..... 4
सत्रों का अवलोकन ..... 5
गतिविधि की पूर्व योजना ..... 5
कक्षा गतिविधि ..... 11
प्रिंट अनुभाग ..... 13

## परिचय

भारत जैसे एक लोकतांत्रिक देश में लोग सरकारी संस्थाओं के माध्यम से खुद पर शासन करते हैं। यह इस बात की ओर इंगित करता है कि शक्तियों और जिम्मेदारियों का बंटवारा अधिक से अधिक नागरिकों के बीच होना चाहिए। जब सरकार की शक्तियों को क्षैतिज रूप में वितरित किया जाता है, तो इसे विभिन्न तंत्रों जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में बाँटा जाता है।

हर एक तंत्र दूसरे तंत्र को मान्यता देता है। नतीजतन, विभिन्न संस्थानों के बीच सत्ता संतुलन स्थापित होता है। इसे 'संतुलित और नियंत्रित तंत्र के रूप में ' जाना जाता है। यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी तंत्र के पास अनियंत्रित अधिकार ना हो।

भारत सरकार की कार्य प्रणाली तीन शाखाओं में विभाजित है: विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका ।

## भारत सरकार की संरचना

कार्यकारी में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. राष्ट्रपति
2. उपाध्यक्ष
3. कैबिनेट मंत्री और

जिम्मेदारी:

विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करना

विधायिका या संसद में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. राष्ट्रपति
2. लोकसभा
3. राज्यसभा

जिम्मेदारी:

कार्यपालिका से जवाबदेही लेने के लिए कानून बनाना

न्यायपालिका में निम्नलिखित शामिल हैं:

भारत का सर्वोच्च न्यायालय

जिम्मेदारी:

1. कार्यपालिका और विधायिका के बीच संघर्षों को हल करना
2. अन्य सार्वजनिक मामले और विवादों को हल करना

विधायिका का कार्य कानून बनाने का होता है। भारत के नागरिकों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से राजनीतिक प्रणाली के माध्यम से कानून तय किया जाता है। तो सरकार उसके बारे में कानून बनाकर उनकी मदद करती है। विधानमंडल संसद से बना है जो द्विसदनीय है।

इसका मतलब है कि इसके दो सदन हैं - लोकसभा और राज्यसभा। कार्यपालिका, विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करती है। इसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्री परिषद शामिल हैं।

प्रत्येक विभाग के लिए अलग-अलग मंत्री नियुक्त किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, शिक्षा मंत्री, शिक्षा पर कानून लागू करने की देखरेख करते हैं। ये मंत्रीगण स्थानीय निकायों के माध्यम से नागरिकों के संपर्क में रहते हैं। यदि नागरिकों को कोई समस्या हो तो उसे हल करने में लोगों की मदद करना मंत्री का कर्तव्य है। साथ ही समाचार पत्र और टीवी जैसे मीडिया,मंत्रियों को वर्तमान समस्याओं से अवगत कराते हैं। कानून बनाने में इन मंत्रियों की भूमिका होती है। यदि कभी मंत्री को यह एहसास होता है कि उनके विभाग से संबंधित, लोगों को किसी तरह की समस्या है तो वह एक अधिनियम बनाकर विधायिका के समक्ष में पेश करता है अगर अधिनियम पारित हो जाता है तो वह कानून बन कर पुनः मंत्री के पास आता है। अब उनका काम उसे लागू करवाना होता है। इसलिए, कुछ मायनों में कार्यपालिका और विधायिका एक साथ बंधे हुए हैं।

न्यायपालिका कानून की व्याख्या करती है, संविधान और विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों की "सुरक्षा" करती है। इसका मतलब यह हुआ कि अगर कोई भी विधायिका द्वारा बनाए गए कानून को तोड़ता है, तो उसे कोर्ट (न्यायालय) में ले जाया जाएगा। न्यायपालिका भारत में न्यायालयों से बनी है। सर्वोच्च न्यायालय, देश की राजधानी दिल्ली में है। उसके बाद उच्च न्यायालय

आते हैं जो ज्यादातर राज्य की राजधानी में स्थित होते हैं इसके कुछ अपवाद भी है।

जिलों में, जिला स्तर के न्यायालय होते हैं जिन्हें जिला अदालत या न्यायालय कहा जाता है।

## अपेक्षित परिणाम

1. यह गतिविधि छात्रों को एक व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित करने, तार्किक सोच और समस्या-समाधान कौशल को सुदृढ़ करने, प्रतिस्पर्धा और समूह कार्य के मुकाबले लोकतंत्र में सहयोग के महत्व के बारे में सिखाने में मदद करेगी।
2. यह भारत के एक विशेष हिस्से में व्याप्त मुद्दों और शासन के आस्तित्व को जानने का उन्नति सोपान या आधार सोपान का भी कार्य करेगा।

3. यह छात्रों को मनोरंजक तरीके से तथ्यों को सीखने, शहर की समस्याओं के साथ समानुभूति रखने और उन्हें अपने तरीके से हल करने में भी सक्षम बनाएगा।

4. यह छात्रों को यह समझने में सक्षम करेगा कि एक लोकतांत्रिक देश में सत्ता का बंटवारा क्यों वांछनीय है और साथ ही, सरकारी शाखाओं द्वारा जिम्मेदारियों को कैसे साझा किया जाता है।

## आवश्यक सामग्री

सादा या रंगीन कागज - समस्या स्थिति कार्ड / चिट और समूह संख्या चिट, गोंद, स्केच पेन, कैंची।

## सत्रों का अवलोकन

| क्रमांक | गतिविधि प्रक्रिया | समय |
|---|---|---|
| सत्र 1 | कक्षा गतिविधि<br>परिचय<br>कार्यकलाप<br>शिक्षक, कृपया निर्देशित चरण 1, 2, 3 और 4 का पालन करें | 45 मिनट |
| सत्र 2 | अनुसंधान गतिविधि+ कक्षा गतिविधि<br>शिक्षक, कृपया चरण 5, 6 और 8 का पालन करें | 45मिनट |

सत्र 1

आवश्यक समय: 45 मिनट

परिचय (5 मिनट)

चरण 1: गतिविधि के लिए व्यवस्था(5 मिनट)

चरण 2: गतिविधि की व्याख्या करें (5 मिनट)

चरण 3: गतिविधि शुरू करें (समूह निर्माण और समस्या आवंटन- 20 मिनट)

चरण 4: गतिविधि के अगले स्तर की तैयारी करें (10 मिनट)

## गतिविधि की पूर्व योजना

**चरण 1: गतिविधि व्यवस्था**

• शिक्षक क्राफ्ट पेपर पर मुद्रित/लिखित इश्यू कार्ड/मुद्दा पत्रक के साथ आ सकते हैं या यदि समय हो तो छात्र इश्यू कार्ड/मुद्दा पत्रक तैयार कर सकते हैं।

• छात्रों के 8-9 समूह बनाएं (प्रत्येक समूह में 5-6 से अधिक छात्र नहीं होने चाहिए)

**चरण 2: गतिविधि की व्याख्या करें**

देश अपनाएं में हम छात्रों को नागरिक मुद्दों का प्रभार लेने और उनके समस्या-समाधान के कौशल का उपयोग करके इन मुद्दों को हल करने के लिए प्रोत्साहित करके सतर्क, जागरुक और सक्रिय नागरिक में बदलने की दिशा में प्रयास करते हैं।

इसमें, छात्रों को इश्यू कार्ड/ मुद्दा पत्रक लेकर अपने शहर से संबंधित नागरिक मुद्दों को हल करके अपने शहर को बचाने का मौका मिलता है। उदाहरण के लिए पानी की कमी, अपराध, प्रवास आदि। इन मुद्दों को सरकार की शक्तियों के क्षैतिज वितरण के आधार पर हल किया जाएगा।

**चरण 3: गतिविधि शुरू करें (समूह निर्माण)**

1. शिक्षक को विद्यार्थियों के समूह बनाने होंगे।
2. प्रत्येक समूह प्रश्न बॉक्स/इश्यू कार्ड ट्रे से एक इश्यू कार्ड उठाएगा और उस कार्ड पर उल्लिखित समस्या का समाधान करेगा। (समाधान अगली कक्षा में प्रस्तुत किया जाएगा)।
3. शिक्षकों से अनुरोध है कि वे प्रश्न पेटी/कार्ड ट्रे अपने पास तैयार रखें, समूह बन जाने के बाद वे इसे विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत करेंगे। कृपया प्रश्नों का उचित वितरण करने के लिए हर बार केवल एक ड्रा प्रयास की अनुमति दें।
4. समूह, सरकार की 3 शाखाओं: विधायिका (जो कानून बनाती है), कार्यपालिका (जो कानून लागू करती है) और न्यायपालिका से बना है, इनमें से मिली शाखा

पर निर्णय लेने के लिए एक और चिट चुन सकता है। शिक्षक प्रत्येक शाखा के 2-3 से अधिक चिट तैयार न करें। चिट की कुल संख्या विद्यार्थी समूहों की संख्या से मेल खानी चाहिए।

5. इस मुद्दे को हल करने के लिए समूहों को सरकार की एक शाखा पर ध्यान केंद्रित करना होगा। वे केवल उस शाखा के संबंध में एक प्रस्तुति (चार्ट/साधारण कागज/मौखिक प्रस्तुति पर) देंगे।

6. समूह अलग से बैठ सकता है और अगली कक्षा के लिए अगले 15-20 मिनट के लिए प्रस्तुतिकरण पर काम कर सकता है (कृपया टीम के सदस्यों के बीच सक्रिय चर्चा सुनिश्चित करें)।

प्रत्येक शहर-क्षेत्र समूह में विद्यार्थी सरकार की शाखाओं की तरह कार्य करेंगे और शहर की विभिन्न समस्याओं को हल करने का प्रयास करेंगे। विद्यार्थी परस्पर जिम्मेदारियों को साझा करेंगे।

*नोट:

इश्यू कार्ड/ मुद्दा पत्रक प्रिंट अनुभाग में उपलब्ध हैं। गतिविधि के लिए कार्ड जारी करने/प्रिंट करने के लिए कृपया उसे देखें।

**चरण 4: गतिविधि के अगले स्तर की तैयारी करें-**

समूह को इस मुद्दे के समाधान के बारे में चर्चा करने के लिए समय मिलेगा और अगर वे सरकार (कोई भी) का हिस्सा होते तो वे इससे कैसे निपटेंगे: विधायिका (जो कानून बनाती है) / कार्यपालिका (जो कानून लागू करती है) / न्यायपालिका (अदालत में न्यायाधीशों से बना)।

वे घर पर अपने माता-पिता और दादा-दादी के साथ चर्चा करके या होमवर्क के लिए किताबों या पत्रिकाओं का हवाला देकर विषय पर शोध करेंगे और अगली

कक्षा में दी गई समस्या के लिए सरकार की शाखा के आधार पर समाधान प्रदान करेंगे।

इसे एक उदाहरण से समझते हैं:-

**मुद्दा:** क्या आप क्रिकेट मैच देखते हैं? हाल ही में आईपीएल के मैचों के दौरान कुछ क्रिकेटर्स को रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था।

समाधान:

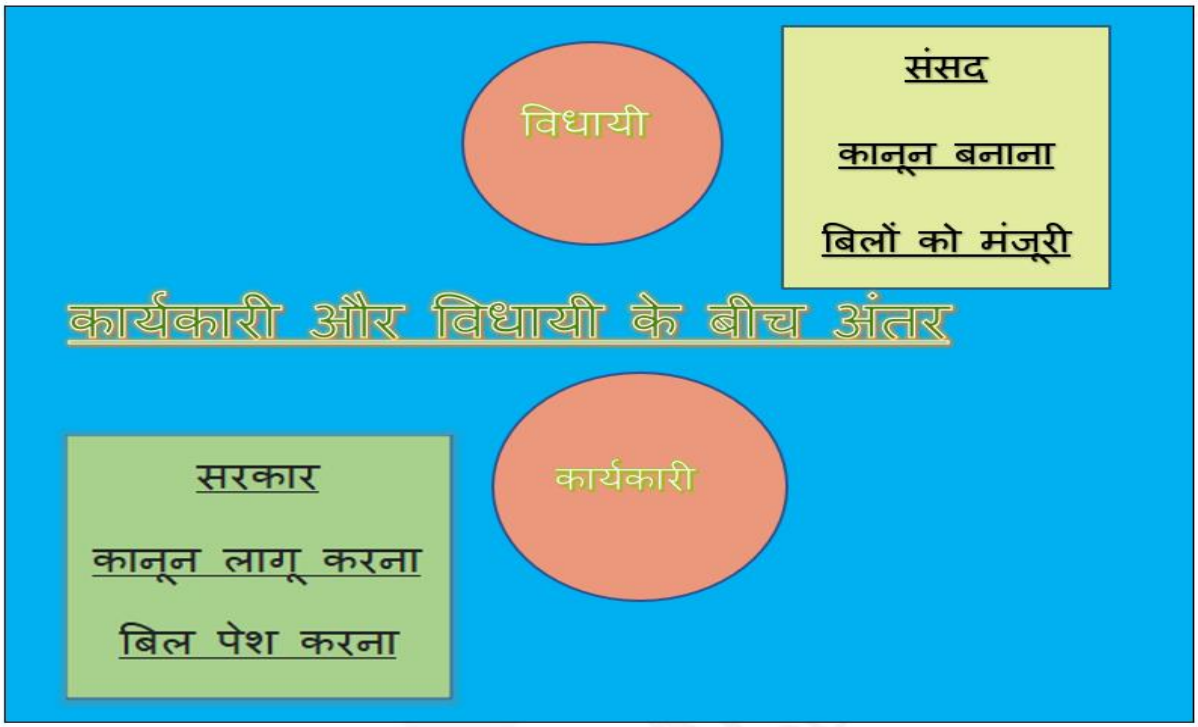


---

**विधायिका**

• अभी तक ऐसा कोई मैच फिक्सिंग कानून नहीं है।

• इस मुद्दे के बाद, भारत के खेल मंत्री (जो कार्यपालिका का हिस्सा है) एक नया कानून पारित करना चाहते थे जिसमें कहा गया था कि मैच फिक्सिंग अवैध है। इसे बिल नो-फिक्सिंग बिल कहा जाएगा क्योंकि इसे कानून बनने से पहले एक प्रक्रिया से गुजरना होगा। यह बिल लोकसभा में पेश किया जाएगा। सदस्य इसके बारे में चर्चा करेंगे और फिर वे एक धारा पर विचार करेंगे। इस चर्चा के बाद वे

मतदान करेंगे। अगर बहुमत कहता है कि वे इस विधेयक को पारित करना चाहते हैं, तो यह राज्यसभा में जाएगा। राज्यसभा भी यही करेगी। वे एक सामान्य चर्चा करेंगे और फिर एक-एक धारा पर विचार करेंगे। मतदान के बाद, यदि बहुमत कहता है कि वे इसे पारित करना चाहते हैं, तो यह राष्ट्रपति के पास जाएगा जो इस पर हस्ताक्षर करेंगे और फिर यह एक कानून बन जाएगा।
*अनुलग्नक में बिल विवरण देखें।

**कार्यकारी शाखा (कार्यपालिका)**

• बता दें कि नो फिक्सिंग बिल कानून बन गया है। कैबिनेट(कार्यकारी शाखा) में, खेल मंत्री को नो फिक्सिंग कानून लागू करने के लिए सौंपा जाएगा। इस मंत्री का काम यह सुनिश्चित करना होगा कि हर कोई इस कानून का पालन करें।
• हाल ही में, आईपीएल मैचों में तीन क्रिकेटरों को रिश्वत लेने और गलत तरीके से खेलने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। चूंकि भारत में भ्रष्टाचार पहले से ही एक बड़ा मुद्दा है, इसलिए सरकार खेल जगत को भ्रष्टाचार मुक्त रखना चाहती है इस बीच, खेल मंत्री अपने विभाग के साथ मिलकर एक विधेयक का मसौदा तैयार कर रहे हैं जो खेल फिक्सिंग को अपराध के रूप में परिभाषित करेगा और खेल में कुछ गलत करने के लिए दंड का प्रावधान करेगा। सजा होगी: जुर्माने के साथ तीन साल की जेल। यह बिल सिर्फ घरेलू मैचों पर ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मैचों पर भी लागू होता है। यानी भारत में घूस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों को भी सजा दी जाएगी। वे इस बिल को तैयार करने के बाद इसे विधायिका में पेश करेंगे। इसके बाद विधायिका उल्लेखित प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी।

**न्यायिक शाखा (न्यायपालिका)**

• अगर नो फिक्सिंग बिल कानून बन गया और किसी ने इसे तोड़ा, तो उसे अदालत में ले जाया जाएगा। यदि मैच फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार किए गए

व्यक्ति को अदालत में ले जाया जाएगा तो अदालत सभी तथ्यों के आधार पर तय करेगी कि उसे या अदालत में कानून के अनुसार दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों को क्या सजा दी जानी चाहिए या नहीं ।

• उदाहरण: सजा : जुर्माने के साथ तीन साल की जेल।

• इसके अलावा यदि मामला उच्च न्यायालय में ले जाया गया और व्यक्ति परिणाम से नाखुश है , तो वह सर्वोच्च न्यायालय में अपील कर सकता है।

• वह ऐसा कर सकता/सकती है क्योंकि उसके पास सर्वोच्च न्यायालय में अपील का अधिकार है।

छात्र अनुसंधान और प्रस्तुति के लिए दिशानिर्देश।

| विधायिका | कार्यपालिका | न्यायपालिका |
|---|---|---|
| • संविधान की जाँच करें यदि समस्या से संबंधित कोई कानून मौजूद है।<br>• यदि विधेयक संसद द्वारा कानून बन जाता है, तो अधिनियम का अध्ययन करें और उस कानून पर अपनी प्रस्तुति दें? यदि कोई कानून मौजूद नहीं है, तो एक नए बिल कानून/बिल | • यदि विधेयक अभी तक अधिनियम नहीं बना है तो संसद में पेश करने के लिए एक मसौदा विधेयक बनाएं जो अपराध को परिभाषित करेगा और संबंधित क्षेत्र में कुछ गलत करने के लिए दंड निर्धारित करेगा और कानून लागू करेगा।<br>• यदि बिल मौजूद है तो शोध विवरण दें। | • कानून तोड़ने के परिणाम यानी न्यायपालिका की शाखा केवल उनके सामने लाए गए किसी भी उल्लंघन और अपराध के खिलाफ फैसला सुनाती है।<br>• निर्णय का पालन करने के लिए कार्यकारी निकाय को दिशानिर्देश प्रदान करता है। |

| | | |
|---|---|---|
| आवश्यकता का प्रस्ताव करें। | | |

## कक्षा गतिविधि

सत्र 2
आवश्यक समय: 45 मिनट
चरण 5: समस्या हल करना
चरण 6: गतिविधि की परिणति
चरण 7: पुनरावृत्ति
चरण 8: रिफ्लेक्शन शीट और फीडबैक फॉर्म

**चरण 5: समस्या हल करना**

शिक्षकों से समूह संख्या की चिट ले जाने का अनुरोध है। वे चिट में फेरबदल करेंगे और उनमें से एक निकाल लेंगे। जिस ग्रुप की चिट सिलेक्ट होगी वह प्रस्तुति देगा। समूह के सदस्य आगे आएंगे और दी गई समस्या को तीन तरीकों में से किसी एक में हल करने पर 2-3 मिनट की प्रस्तुति देंगे- समाधान का विधायी तरीका/समाधान का कार्यकारी तरीका/और समाधान का न्यायिक तरीका। यदि छात्र समूह के रूप में शिक्षक की संतुष्टि के अनुसार समस्या को हल करने में सफल होते हैं, तो वे सुरक्षित हैं। अन्यथा उनके समूह को बाहर कर दिया जाता

है, और वे गतिविधि से बाहर हो जाते हैं। शेष विद्यार्थियों के साथ गतिविधि जारी रहती है।
गतिविधि तब तक जारी रह सकती है जब तक कि सभी समूह सुरक्षित न हों या जब सभी समूहों ने अपनी प्रस्तुति दी हो। गतिविधि में प्रस्तुतियाँ इसके मनोरंजन का उच्चतम बिंदु हैं।

**चरण 6: गतिविधि की परिणति**

सभी प्रतिभागियों को उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए सराहा जाएगा।

**चरण 7: पुनरावृत्ति**

शिक्षकों से अनुरोध है कि वे गतिविधि विषय को दोबारा दोहराएं और सत्ता के बंटवारे के अन्य रूपों में कुछ अतिरिक्त ज्ञान जोड़ें।

**सत्ता के बंटवारे के रूप**

•जब सरकार के विभिन्न घटकों, जैसे कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियां साझा की जाती है, तो इसे सत्ता के क्षैतिज वितरण के रूप में जाना जाता है। भारत इसका एक उदाहरण है।

• शक्तियों का ऊर्ध्वाधर वितरण, जिसे संघीय सरकार के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें सत्ता सरकार के भीतर साझा की जाती है, लेकिन विभिन्न स्तरों पर, जैसे देश के लिए केंद्र सरकार और प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्य स्तरीय सरकार। भारत इसका एक उदाहरण है।

• विभिन्न सामाजिक समूह, जैसे कि धार्मिक और भाषाई समूह, सत्ता साझा कर सकते हैं।

• शक्तियों के बंटवारे को राजनीतिक दलों, दबाव समूहों और आंदोलनों द्वारा सत्ता में बैठे लोगों पर दबाव बनाने  य प्रभावित करने के तरीके से भी समझाया जा सकता है।

वह कुछ सवाल पूछ सकती/सकते है जैसे,

• क्या आपको लगता है कि सरकार की सभी शाखाएं जिम्मेदारियों को साझा कर रही हैं? क्या आपको लगता है कि यह वांछनीय है?

• क्या आपने सरकारी शाखाओं के बीच समन्वय में कोई अंतराल देखा? उन्हें बेहतर करने के लिए कोई सुझाव दें ?

**चरण 8: रिफ्लेक्शन शीट और फीडबैक फॉर्म**

शिक्षक/शिक्षिका जब तक फीडबैक फॉर्म भर रहे है उसी समय वे विद्यार्थियों को भी रिफ्लेक्शन शीट भरने को कहे।

अस्वीकरण - प्रत्येक समूह के लिए उल्लिखित पहचानी गई समस्याएं मौजूद हो भी सकती हैं और नहीं भी। समस्याएँ/मुद्दे केवल सांकेतिक हैं और विद्यार्थियों के समस्या-समाधान कौशल को चुनौती देने के लिए बनाए गए हैं।

## प्रिंट अनुभाग

मुद्दा पत्रक

| मुद्दा पत्रक-1 | मुद्दा पत्रक-2 |
|---|---|
| **ट्रैफिक पुलिस में भ्रष्टाचार**<br><br>आपके शहर में ट्रैफिक नियम और ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने के मामले बढ़ते जा रहे हैं। डिफाल्टर पुलिस को घूस देकर फरार हो रहे हैं, उनके खिलाफ कोई चालान व जुर्माना नहीं लगाया जा रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए आप क्या करेंगे? | **महिलाओं के खिलाफ अपराध**<br><br>महिलाएं लगातार शोषण और हिंसा की शिकार रही हैं। उनके खिलाफ बलात्कार, हत्या, कन्या भ्रूण हत्या और अपहरण की आपराधिक हिंसा ने महिलाओं में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए आप क्या करेंगे? |

| मुद्दा पत्रक-3 | मुद्दा पत्रक-4 |
|---|---|
| **युवाओं में नशे की लत**<br><br>युवा अन्य संस्कृतियों के प्रभाव के कारण शराब और ड्रग्स के आदी हो रहे हैं और भव्य जीवन शैली की मांग कर | **कुशल युवाओं का प्रवास**<br><br>नौकरी के अवसरों की कमी के कारण,बेरोजगारी एक प्रमुख मुद्दा बनकर उभरा है, अधिकांश युवा नौकरी की तलाश में दूसरे देशों/शहरों में पलायन कर रहे हैं। यह आपके शहर में कुशल |

| | |
|---|---|
| रहे हैं। इस समस्या को हल करने के लिए आप क्या करेंगे? | शक्ति का स्थानांतरण हो रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए आप क्या कदम उठाएंगे? |

| मुद्दा पत्रक -5 | मुद्दा पत्रक -6 |
|---|---|
| **पीने योग्य पानी की कमी**<br><br>पीने का साफ पानी नहीं है, कुछ लोगों की मौत हो गई और कुछ लोगों को प्रदूषित पानी पीने के बाद अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। आप इस पानी की समस्या का समाधान कैसे करेंगे? | **सड़क पर आवारा जानवर**<br><br>आवारा गायों और भैंसों के झुंड सड़कों और आंतरिक सड़कों पर स्वतंत्र रूप से घूमते हैं जिससे यातायात में बाधा उत्पन्न होती है। सड़क पर गाय के गोबर के कारण वाहन फिसल जाने से दो पहिया वाहन सवार कई लोग घायल हो |

| | |
|---|---|
| | गए हैं। रात में, वाहन उपयोगकर्ता जानवरों को नहीं देख पाते हैं, खासकर खराब रोशनी वाली सड़कों पर। इस समस्या को ठीक करने के लिए आप क्या करेंगे? |

| **मुद्दा पत्रक** -7 | **मुद्दा पत्रक -8** |
|---|---|
| **अपशिष्ट का अनुचित निपटान**<br><br>ई-कचरे के समुचित निपटान के बारे में जागरूकता की कमी, इसे स्थानीय कबाड़ी वाला को बेचना, रीसाइक्लिंग केंद्र की कमी, ई-कचरे के भस्मीकरण(जलाए जाने) के जहरीले प्रभाव। | **जलीय जानवरों की हत्या**<br><br>धार्मिक त्योहारों के दौरान जलीय जंतुओं की हत्या-जलाशयों में मूर्तियों और जैविक / अकार्बनिक कचरे से हो रही है, जिसे आम लोग पानी में फेंक देते हैं। जलीय जीवों के लिए केमिकल और प्लास्टर ऑफ पेरिस खतरनाक है । आप |

| | |
|---|---|
| इस ई-कचरे की समस्या को अपने तरीके से हल करें। | अपने शहर में जलीय जीवन को कैसे बचाएंगे? |

## मुद्दा पत्रक-9

### सड़कों की खराब स्थिति

शहर भर में सड़कों की खराब स्थिति है इसके अलावा, भारी बारिश के बाद गड्ढे और जल भराव आम हैं। सड़कों की बदहाल स्थिति के कारण कई जगहों पर आना-जाना मुश्किल हो जाता है। आप अपने शहर में लंबे समय से चली आ रही इस समस्या से कैसे निपटेंगे?